हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

डॉ अनिता करुण, निदेशक महोदय की अध्यक्षता में हिंदी पखवाड़ा समारोह का समापन मनाया गया । डॉ सीमा चोपड़ा, निदेशक (राजभाषा) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली इस समारोह की मुख्य अतिथि रही । निदेशक महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में हिंदी समारोह की सफलता पर खुशी प्रकट की कि अधिकांश स्टाफ सदस्यों ने एक साथ जुड़कर हिंदी समारोह के विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग दिया, प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपनी अपनी रुची प्रकट की । उन्होंने अपील की कि इसी प्रकार राजभाषा के कार्यान्वयन में, प्रयोग में सहयोग देकर हिंदी के प्रयोग को उत्तरोत्तर बढ़ावा दें और इस संस्थान का मान बढ़ाएँ ।

डॉ सीमा चोपड़ा, निदेशक (राजभाषा), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला कि इन विशेष गुणों के कारण ही संविधान निर्माताओं ने हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया है । इस संवैधानिक कर्तव्यों के अनुपालन हेतु प्रत्येक सदस्यों की मानसिकता और प्रतिबद्धता बढ़ाने की आवश्यकता की ओर ध्यान आकर्षित किया । प्रधान मंत्री जी के मार्गदर्शन से राजभाषा विभाग की ओर से कार्यान्वित 12 **'प्र'** कार्यक्रमों जैसे प्रेरणा, प्रोत्साहन, प्रशिक्षण, प्रेम, प्रतिबद्धता पर भी विवरण दिया । संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण की गंभीरता और हिंदी पदों के सृजन और खाली पदों को जल्दी ही भरने की आवश्यकता पर जोर दिया । राजभाषा के प्रयोग बढ़ाने के लिए हिंदी वातावरण सृजित करने हेतु आयोजित संस्थान की गतिविधियों और राजभाषा कार्यान्वयन की सराहना की ।

श्री रामअवतार पाराशर, वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी ने सभा में उपस्थित स्टाफ सदस्यों का स्वागत किया और मुख्य अतिथि डॉ सीमा चोपड़ा का परिचय कराया । हिंदी पखवाडा समारोह की अवधि पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार डॉ अनिता करुण , निदेशक महोदय और श्री रामअवतार पाराशर, वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी ने वितरित किए । श्रीमती जयश्री, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं विषय मामला विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्र की मुधुर वाणी ने वातावरण बदला और श्रीमती श्रीलता के , सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने अपने

धन्यवाद प्रस्ताव में अपनी 33 वर्षों की सेवा में सभी स्टाफ सदस्य और परिषद से प्राप्त हुए सहयोग और मार्गदर्शन के प्रति आभार प्रकट किया ।

हिंदी पखवाड़ा समारोह
14 सितंबर - 28 सितंबर 2021
भाकृअनुप-केन्द्रीय रोपण फसल अनुसंधान
- 671124

हिंदी पखवाड़ा समारोह
14 सितंबर - 28 सितंबर 2021
भाकृअनुप-केन्द्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान
कासरगोड़ - 671124
CPCRI